आकाशवाणी केन्द्र शिमला
02.11.2025 / प्रादेशिक समाचार / 15.00बजे

अधिसूचना

प्रदेश सरकर ने अनुबंध कर्मियों को 15 दिन के पितृत्व अवकाश देने के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। 20 फरवरी 2025 से पहले नियुक्त अनुबंध कर्मियों को अब 15 दिन का पितृत्व अवकाश मिल सकेगा। कार्मिक विभाग ने कल इस बारे में प्रशासनिक सचिवों विभागा अध्यक्षों, उपायुक्तों और निगमों–बोडों के प्रबंध निदेशकों को निर्देश जारी कर दिए हैं। ये निर्णय प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश की अनुपालना में तहत बीते दिनों हुई प्रदेश मंत्रिमडल की बैठक में लिया गया है।

दुर्घटना

शिमला ज़िला के नारकण्डा में बीती रात एक टैंपो ट्रैवलर के दुर्घटनाग्रस्त होने से नेपाली मूल के 33 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को कुमारसैन के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गम्भीर रूप से घायल 16 लोग आई.जी.एम.सी. शिमला में उपचाराधीन है। शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप ने आज आई.जी.एम.सी. पहुंच कर घायलों का कुशलक्षेम जाना। उन्होंने सभी घायलों को प्रदेश सरकार की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया।

जीएसटी

नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जीएसटी दर घटाने के बाद 22 सितम्बर को शुरू हुए जी.एस.टी. बचत उत्सव से देशभर में लोगों को लाभ हो रहा है। इन सुधारों से स्टेशनरी क्षेत्र को बढ़ावा मिल रहा है। पेश है एक रिपोर्ट .....

नए जीएसटी सुधारों से स्टेशनरी उत्पादों पर टैक्स कम होने से परिवारों और छात्रों को बड़ी राहत मिली है। संशोधित कर ढांचे के तहत नोटबुक, ग्राफ बुक, शॉर्पनर, इरेज़र और पेंसिल जैसी वस्तुओं को पूरी तरह कर मुक्त कर दिया गया है। इसी प्रकार, पेंसिल बॉक्स और गणितीय उपकरण सहित शिक्षण सामग्री पर पहले के 12 प्रतिशत के बजाय कर की दरें अब केवल 5 प्रतिशत के बजाय कर की दरें अब केवल 5 प्रतिशत हैं। आकाशवाणी समाचार से बात करते हुए पुणे के एक अभिभावक, अतुल देशपांडे ने स्टेशनरी वस्तुओं पर जीएसटी कम करने और शिक्षा को बढ़ावा देने के सरकार के फैसले की सराहना की है। मेरे दो बच्चे हैं छोटा लड़का तीसरी कक्षा में पढ़ता है और बड़ी वो लड़की छठी कक्षा में पढ़ती है। नए जीएसटी दरों के वजह से जो स्कूल का खर्चा है, वह खर्च में बचत होगी और जो कुछ बचत होगी, वह हम अच्छी तरह से शिक्षा अपने बच्चों को देने के लिए यूज़ कर सकते हैं। इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण कटौती से परिवारों के लिए शिक्षा पर होने वाले खर्च में कमी आई है और घरेलू स्टेशनरी विनिर्माण को बढ़ावा मिला है।

आकाशवाणी संगीत सम्मेलन

प्रसार भारती आज से संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आकाशवाणी संगीत सम्मोलन के 67वें संस्करण का आयोजन कर रहा है। ये सम्मेलन 29 नवंबर तक चलेगा। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि आकाशवाणी संगीत सम्मेलन की शुरूआत वर्ष 1954 में हुई थी और ये भारत की प्रख्याात सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी ने सम्मेलन की जानकारी देते हुए बताया कि कोविड–19 महामारी के कारण कुछ अंतराल के बाद ये महोत्सव नए स्वरूप में लौट रहा है। इस वर्ष के सम्मेलन में प्रत्येक केंद्र पर दो कार्यक्रम होंगे। इनमें से एक भारतीय शास्त्रीय संगीत और दूसरा लोक संगीत को समर्पित होगा।

जागरूकता सप्ताह

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत कल राजकीय महाविद्यालय चम्बा में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। हिमाचल प्रदेश पुलिस सतर्कता विभाग के उत्तर क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक बलबीर ठाकुर ने भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए सभी नागरिकों के सक्रिय समर्थन और भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस साल सतर्कता जागरूकता सप्ताह 'सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी' विषय पर आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशा व नशे के सौदागरों से बचाना समाज के सभी वर्गों का कर्तव्य है ताकि राष्ट्र के कर्णधारों को नशे के दलदल से बाहर निकाला जा सके।

हर कोई व्यक्ति जब जागरूक होगा अवेयर होगा तभी हर करप्शन के विरूद्ध एक सक्सैसफुल लड़ाई लड़ सकते हैं तो इसी संदर्भ को लेकर हमने बच्चों से इंटरैक्शन किया तो बच्चों को हमने विजीलैंस और जनरल पुलिसिंग के काम के बारे में बताया गया कि कैसे भ्रष्टाचार से रिलेटिड शिकायतें कर सकते हैं और पुलिस से कैसे अस्टिटैंस ले सकते हैं और उनकों साईबर काईम के बारे में भी अवेयरनैस दी गई। आपको किसी अननोन व्यक्ति पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उसके साथ अपनी जरूरी जानकारी शेयर नहीं करनी चाहिए जेसे बैंक से रिलेटिड कोई डिटेल या उनके किसी भी काम को बिना सोचे समझे अमल नहीं करना। सर्तकता बरतेंगे सब लोग अवेयर रहेंगे तभी हम किसी भी अपराध से अपने आप को बचा सकते है।

किन्नौर महोत्सव

रिकांग पिओ में चल रहे चार दिवसीय राज्य स्तरीय किन्नौर महोत्सव का आज अंतिम दिन है। इस महोत्सव के दौरान आज आज विशाल नाटी का आयोजन किया गया। इसके अलावा महोत्सव में प्रदेश के साथ–साथ देशभर से आए कलाकारों ने लोक नृत्य, लोकगीत और पारंपरिक प्रस्तुतियों से लोगों का खूब मनोरंजन किया।

.....